nirmaan
empowering communities

छापबाळा

निरमाण सोसायटी

www.shekhawati.org.in

महतारी

आपणी सेखावाटी पहचाण

अपरेल सूं जून-2022

खामोसी
की 'तह' म
छुपा लेवो
आपणी
सारी
उळझण,
क्यूंकि रोळौ
कदै बी
मुस्किला नैं
आसान
कोनी करै।

सेखावाटी म सरकार की योजना

मकसद:

रोजड़ा अर सूना ढाण्डा-ढोरां सूं खेत-क्यार (साक) नै बचाबा क्ले

पातरता :

खेत कै च्यारुमेर तार खींचबा क्ले छोटा किसाना नै तारबन्दी म लागबाळा खरचा को 60 प्रतिसत या फेर 48000-/ (अड़ताळीस हजार रुपिया) ज्यो बी कम हैवै अर बडा या दूसरा किसाना नै 50 प्रतिसत या फेर 40000-/ (चाळीस हजार रुपिया) ज्यो बी कम हैवै मिलगा। एक किसान या फेर दो-च्यार किसान मिलर ज्यादा सूं ज्यादा 400 मीटर यानी 1312.34 फुट की सीमा तक ई छूट मिलगी।

छूट:

ई योजना को लाभ किस्या-किस्या किसान ले सकै है।

जखो एक किसान अकेलो फारम भरै है तो बिनै 1.5 हेक्टर यानी 3.70658 एकड़ (लमसम 5.93 बीघा) जमीन हैबो जरूरी है। किसानां का समूं म कम सूं कम दो किसान या बांकनै 1.5 हेक्टर यानी 3.70658 एकड़ (लमसम 5.93 बीघा) जमीन हैबो जरूरी है।

फारम भरबा को तरीको:

थ्हारै सांकड़ै का ई-मित्र पै जार फारम भरवा सकै है। फारम ओनलाईन जमा करायां पाछै रसीद ओनलाईन ले सको हो।

जरूरी कागजात:

भरेड़ा फारम कै सागै-सागै, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, जमाबन्दी की नकल (छह मीना सूं ज्यादा पुराणी कोनी होणी चावै), बैंक खाता की पासबुक।

खास बातां-

ताबन्दी करबा सूं पैली अर काम पूरो हुया पाछै खेत की फोटो लेबो।

छूट का पीसा किसान का खाता म आवैगा।

किसान मिलर फारम भरै है तो सबसूं पैली फारम भरबाळा किसान नै ई मुख्य मान्यो जावैगो।

कहाणी

अब आगी म्हारै समज मै

एक बार की बात है। एक बार एक बीरबळ नांव को मिनख हो। बो एक दन गोकल नांव का दरजी कनै कुड़तो सिवांबै चलगो। गोकल बी कपड़ा नै देखर कह्यो कै, यो कपड़ो तो ओछो है। ईंको कुड़तो कोनी बणै। बो मिनख, बदरी नांव का दरजी कनै चलगो। बदरी बी कपड़ा नै देखर कह्यो कै, थ्हारो कुड़तो बण जावेलो।

थोड़ा दना पाछै बो मिनख बी कुड़ता नै लेबा चलग्यो। बदरी बी कुड़ता मै सूँ कपड़ो बचार बिका छोरा कै बुरसेट बणार पैरा दियो हो। बीरबळ बी बुरसेट नै देख लियो अर बिच्यार लगायो कै, यो तो आपणा कुड़ता मै सूँ बचायेड़ो कपड़ो है। बीरबळ मन मै बिच्यार लगार गोकल दरजी कनै चलग्यो अर बिनै कह्यो, थ्हे तो म्हारा कुड़ता का कपड़ा नै कम बतार्यो हो। बदरी तो बी कपड़ा मै सूँ बचार बिका छोरा की बी बुरसेट बणा दियो। या बात सुणर गोकल दरजी कह्यो, बिको छोरो केक साल को हो? बीरबळ कह्यो, दो साल को है। गोकल कह्यो, "अब आगी म्हारै समज मै जिसूँ ई बो बणा दियो म्हारो छोरो तो सात साल को है।" पाछै बो मिनख जाणग्यो कै ये दरजी तो खुद को ऊल्लू सिदो करै है।

सीख:- खुद का लालच क्ले दूसरा को नुकसान कोनी करणो चायै।

लोकगीत (बनड़ी नै द्यो परणाय)

बनड़ी बेठी ओखड़ला गोखड़ला दादोजी द्यो परणाय अटीलो आय उतर्यो बागा म-2
बागा म रै बगीच्यां म रावल को बोल गयो बतळाय गयो हरमल को
म्हारै सावै चढी बनड़ी कै निजर लगाय गयो हरमल को-2
काची-काची कळिया तोड़ै ही बागा म-2
मै उळझ पड़ी घूंघट म मुखड़ो निरखै ही दरपण म-2
बनड़ी बेठी ओखड़ला गोखड़ला चाचोजी द्यो परणाय अटीलो आय उतर्यो बागा म
बिरोजी द्यो परणाय सूरजमल आय उतर्यो बागा म
बोल गयो बतळाय गयो हरमल को-2
म्हारै रूप चढी बनड़ी कै निजर लगाय गयो हरमल को-2
काची-काची कळिया तोड़ै ही बागा म-2
मै उळझ पड़ी घूंघट म मुखड़ो निरखै ही दरपण म-2 ॥

धमाल (कूदयो जमना म)

एहे...कूदयो जमना म कन्हियो रसियो लेकै मुरली रै कूदयो जमना म [टेर]
एहे...कूद पड़्यो बनवारी जळ म ग्वाळा रोवै सारा रै
अरै कई ग्वाळा घर म भाज्या कई पुकारै रै कूदयो जमना म [1] टेर
एहे...रोवत-रोवत जसोदा रै जमना तट पर आई रै
अरै म्हानै छोड़ कर कठे गयो तू कंवर कन्हाई रै कूदयो जमना म [2] टेर
एहे...करिसण गयो रै पाताळ लोक म नागण बठी पाई रै
अरै सोयो नाग जगादे नागण बोल्यो कड़ाई रै कूदयो जमना म [3] टेर
एहे...इतनी सुणकै नागण नै झट नाग जगायो जाई रै
अरै लगी फुकारै बदन होयो काळो लिपट्यो जाई रै कूदयो जमना म [4] टेर
एहे...धीरै-धीरै करकै परभू नाग नै नाथण लाग्यो रै
अरै नागनाथ नै बारै ल्याकै नाचण लाग्यो रै कूदयो जमना म [5] टेर।

अंगरेजी म्हानै आवै कोनी, न हिंदीं रौ घणौ ग्यान। राजस्तान रा बासिन्दा हां, राजस्तानी म्हारी पिछांण।

देसी खेल

लुकमिचणी

लुकमिचणी भोत ई जुनो खेल है। ईनै टाबर कई बरसां सूं खेलता आर्या है अर आजकाल बी टाबर खेलै है। ओ एक भोत ई मजेदार खेल है। ईनै खेलबा क्ले कोई खास टेम की जरूत कोनी पड़ै। टाबर जद चावै जद ओ खेल सकै है। ईनै टाबर जठे चावै बठे ई खेल सकै है अर ईनै खेलबा क्ले किमी चीज्यां की बी जरूत कोनी पड़ै।

खेलबा को तरीको:-

लुकमिचणी खेलबा खातर टाबर सैऊं पेली आपसरी कै मांय पूजै है। जखो हारज्या बो डांई ल्यावै है। डांई ल्याबाळो आपगा दिदा नै मीच'र गिणती करै, जठे तांई बाकी का सगळा टाबर लुक ज्या है। फेर डांई ल्याबळो बानै ढूंढै है। डांई ल्याबाळो ढूंढती बखत जंय्या-जंय्या टाबरां नै देखै बंय्या-बंय्या बांकै नमर लगा दे है। जंय्या एक नमर पै देख्यो बिकै एक नमर लगादे है। अंय्या ई आगै टाबरां नै देखै है, बांकै नमर लगातो जा है। जे डांई ल्याबाळो सगळा नै ढूंढ ले तो जखै कै एक नमर लगायो है फेर बो डांई ल्यावै है। डांई ल्याबाळो सगळा टाबरा नै ढूंढ कोनी पावै अर कोई सो टाबर बिकै लेर सूं आ'र हात लगावै है तो बो दुबारा सूं बिनै ई डांई ल्याणी पड़ै है। जखो टाबर डांई ल्याबाळै कै हात लगावै है, बी बखत बिनै थप्पो सबद बोलणो पड़ै है। ईनै कत्ता बी टाबर एक सागै खेल सकै है।

ठिकाणो:- निरमाण सोसायटी, नोलगड, झुंझनू, राजस्तान, पिन कोड - 333042
मो.9587593455, 9660663776, Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in